तं) ; (4) चिन्तितः (ता, तं) ; II. Solicitous, eager : (1) व्यग्रः (ग्रा, ग्रं) ; (2) उत्सुकः (का, कं). III. Causing anxiety : (1) उद्वेगकरः (री, रं) ; (2) उत्कण्ठाप्रदः (दा, दं).

ANXIOUS, TO BE : उन्मनायते (nomi.), *a. to see* दर्शनायोन्मनायमानः, D.

ANXIOUSLY : I. With anxiety : (1) सोत्कण्ठम् ; (2) सोद्वेगम्; (3) by the adj. v. Anxious (I). II. Eagerly : by the adj.: v. Anxious (II.)

ANY : (1) कश्चित् (काचित्, किञ्चित्), *have you got a. one named Vimardaka* किमस्ति कश्चिद्विमर्दको नामात्रभवतः ; D. ii. : *is there a. doubt about it* किमत्र काचिद्भ्रान्तिः Vi. : *I could not find a. thing in the house* गृहं प्रविश्य न किञ्चिन्मया समासादितम्, Mr. iii. ; (2) कोऽपि, (कापि, किमपि), *a. one else* अन्यः कोऽपि etc. ; (3) कश्चन (काचन, किञ्चन) (rare). Ph. *in the ab-sense of a. witness* साक्ष्यभावे ; *without a. wisdom* ज्ञानं विना ; *what power has Dhananjaya or a. body else even to take the name of your son* का शक्तिरस्ति धनञ्जयस्यान्यस्य वा नामापि ग्रहीतुं ते तनयस्य, Vi. ii. N.B. When *a.* means *any one or anything whatever*, it is expr.: (a) by यः कश्चित् etc. *a. one could be a witness in a house or in a forest* अन्तर्वेश्मन्यरण्ये वा यः कश्चित् साक्ष्यं कुर्यात्, M. viii. 69.; *I want to give even the gold bracelet of my hand to a. one (I meet)* स्वहस्तस्थमपि सुवर्णकङ्कणं यस्मैकस्मैचिद्दातुमिच्छामि; (b) by यः......सः etc., *they can attack a. number of horsemen* *यावानश्ववारानधिगच्छन्ति तावानेवाभियोक्तुं शक्नुवन्ति.

ANYHOW : (1) येन केन प्रकारेण ; (2) यथा तथा.

ANY LONGER, ANY MORE : (1)इतः परम् (=from this time) ; (2) ततः परम् (=from that time). *I will not think any more of other girls* न चिन्तयेमितः परमितरनारीं, D. iii.

ANYWHERE : (1) कुत्रापि, *a. else* अन्यत्र कुत्रापि ; (2) क्वचिदपि, N. kiii. 55. Ph. *go a. you like* गच्छ यथेच्छम्, N. i. 143. ; *die a. you like* यत्र तत्र वा प्राणत्यागं कुरु, Vi. vi. ; *I do not allow you to go a. ele from here* इतोऽन्यतो न वो गन्तुमनुमन्ये, Sa. iiii.

AORIST : no equiv. : अनद्यतनभूतः (=indefinite past).

AORTA : हृदयस्य वामकोषनिर्गता रक्तवहा बृहन्नाडी.

APACE : सत्वरम् : v. Quickly, rapidly.

APART : I. Separately : q.v. : पृथक्. II. At a distance : दूरे. III. Privately : (1) विजने ; (2) निभृतम्. Ph. : *a. from this, there is no other fault in the man.* एतद्विभिन्नस्तस्य दोषो नास्ति.

APARTMENT : कोष्ठः : v. Room. *The inner a.s* अन्तःपुरम्. *The attendants on the inner a.s* अन्तर्वंशिकाः पुरुषाः D. i.

APATHETIC ; I. Void of passion : (1) वीतरागः (गा, गं) ; (2) वीतस्पृहः (हा, हं) ; (3) निस्पृहः (हा, हं) ; (4) उदासः (सा, सं) ; (5) विरागिन् (f. णी). II. Indifferent : q.v.

APATHY : I. Stoicism : (1) वैराग्यम् ; (2) औदास्यम्. II. Indifference.

APE (subs.) : पुच्छहीनो वानरः ; कपिभेदः.

APE (v.t.) : v. To imitate, copy.

APERIENT : I. Adj. रेचकः (की, कं). II. Subs. : रेचकः : v. Purgative.

APERTURE : (1) छिद्रम् ; (2) रन्ध्रम् ; v. Opening, fissure.

APEX : (1) चूडा ; (2) शिखरम् : v. Tip, point.

APHORISM : (1) सूत्रम् ; (2) वचनम् : v. Maxim.

APHORISTIC : Ph. *the method of the book is a.* *सूत्रैर्ग्रथितो ग्रन्थः.

APIARY : *मधुमक्षिकाशाला : v. Bee-hive.

APIECE : एकैकः (का, कं) : v. Each.

APISH : v. Foolish, foppish.

APOCALYPSE : प्रकाशनम् : v. Revelation.

APOCOPE ; *अन्त्याक्षरलोपः ; *अन्त्याक्षरलोपालङ्कारः.

APOCRYPHA : क्रुष्टीयोपवेदः ; *उपधर्मपुस्तकम्.

APOGEE ; उच्चः ; चन्द्रकान्तिमण्डलस्य पृथिव्या दविष्ठपदम्.

APOLOGIZE : (1) क्षमां प्रार्थयते *or* याचते ; (2) मर्षयति (मृष्, c. 10.), *a. to the king for what we said amongst ourselves against etiquette* मर्षयत लोकपालं यदस्माभिर्विश्रब्धप्रलापिनीभिरूपचारातिक्रमेण भणितम्. Sa. iii. ; (3) अनुनयति (नी, c. 1.) (=to propitiate).

APOLOGUE : कथा : v. Fable.

APOLOGY : I. An excuse for a fault : Ph. *to make an a.* क्षमाप्रार्थनां करोति ; *to accept an a.* अनुनयवचनं प्रतिगृह्णाति (after ge.) : v. Excuse.